(वंश/कुल) का अर्थ होता है परिवार की एक पीढ़ी या पूर्वजों का समूह। उदाहरण के लिए, आप कहीं पढ़ेंगे,
“ये उनके पिता की कुलों के मुखिया थे।”
इसका मतलब है, “ये उनके पिता की परिवार की पीढ़ी के मुखिया थे।” यह हमें परमेश्वर की वाचा की विश्वसनीयता, नेतृत्व व्यवस्था और आध्यात्मिक विरासत की महत्ता को समझने में मदद करता है।

1. (वंश/कुल) नेतृत्व और उत्तराधिकार की संरचना के रूप में

प्राचीन इस्राएल में नेतृत्व और संपत्ति वंशों के माध्यम से दी जाती थी।
वंश वह विस्तृत परिवार था जो व्यक्ति को उसकी जनजाति और समाज में उसकी भूमिका से जोड़ता था।

1 राजा 8:1
“तब राजा सोलोमन ने इस्राएल के कुलों के मुखियों को बुलाया,
और यहूदा के सभी मुख्यों को, यहोवा के धर्मबंध की पात्र को सिय्योन से, दाऊद के नगर से, लेकर आने के लिए।”

यहां कुलों के मुखियाओं को धर्मबंध की पात्र लाने के

आध्यात्मिक कार्य का साक्षी बनने के लिए बुलाया गया, जो दिखाता है कि परिवार के मुखिया धार्मिक और सामाजिक अधिकार रखते थे।

2. युद्ध और समुदाय के संगठन में कुल

कुल अक्सर युद्ध और पूजा में भूमिका तय करते थे। परिवारों को उनकी वंशावली के अनुसार सेवा और जिम्मेदारी दी जाती थी।

1 इतिहास 7:4
“उनकी कुलवंशानुसार उनके पास 36,000 लड़ाके युद्ध के लिए तैयार थे, क्योंकि उनके कई शादियां और बच्चे थे।”

यह दर्शाता है कि कुल केवल खून का रिश्ता नहीं था—बल्कि समाज के संगठन में इसका व्यावहारिक महत्व था, विशेषकर रक्षा के लिए।

3. पूजा और मंदिर सेवा में कुल

मंदिर के कार्य भी कुलों के आधार पर बांटे गए थे, जो दिखाता है

कि पूजा एक पारिवारिक विरासत थी।

1 इतिहास 9:33
“जो संगीतकार थे, लेवी कुलों के मुखिया थे, वे मंदिर के कक्षों में रहते थे और अन्य कार्यों से मुक्त थे क्योंकि वे दिन-रात सेवा के लिए जिम्मेदार थे।”

धार्मिक ज्ञान:
परमेश्वर व्यवस्था और विरासत को महत्व देते हैं।
पूजा अनियमित नहीं थी, बल्कि यह विश्वासयोग्य परिवारों से पीढ़ी दर पीढ़ी चली आती थी।
यह मेल खाता है व्यवस्थाविवरण 6:6-7 से, जहाँ माता-पिता को परमेश्वर के आज्ञाओं को बच्चों को सिखाने के लिए कहा गया है।

4. मसीह की वंशावली में कुल और पहचान

नए नियम में भी वंश महत्वपूर्ण है—विशेषकर मसीह की मसीही पहचान की पुष्टि में।

लूका 1:26-27
“छठे महीने में परमेश्वर ने स्वर्गदूत गब्रियल को गलील के नगर नज़रथ भेजा, एक कन्या के पास जो यूसुफ नाम के पुरुष से सगाईशुदा थी, जो दाऊद की वंशावली से था। कन्या का नाम मरियम था।”

“दाऊद की वंशावली से” शब्द से पता चलता है कि यूसुफ दाऊद की कुल से था।
यह पुष्टि करता है कि यीशु राजवंश से हैं, जैसा कि यशायाह
11:1 में भविष्यवाणी की गई है।

5. वंश वाचा की विश्वसनीयता का चिन्ह

वंश वाचा की पूर्ति में महत्वपूर्ण थे। नेहेमायाह में परिवारों का वापस आना और यरुशलेम का पुनर्निर्माण इसके उदाहरण हैं।

नेहेमायाह 10:34

“हम—कहने वाले, लेवी और लोग—हमने भाग डाला कि हमारे-अपने परिवारों में से कौन-कौन से परिवार साल के नियत समय पर परमेश्वर के घर में लकड़ी लाएगा, जिसे परमेश्वर के वेदी पर जलाया जाएगा, जैसा कि कानून में लिखा है।”

यह दिखाता है कि प्रत्येक कुल अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभाता था।

आध्यात्मिक उपयोग

वंश को समझना हमें दिखाता है कि:

परमेश्वर परिवारों के माध्यम से कार्य करते हैं—उनका आशीर्वाद और बुलावा अक्सर पीढ़ी दर पीढ़ी चलता है।
आध्यात्मिक नेतृत्व घर से शुरू होता है—माता-पिता और बड़ों की भूमिका
विश्वास आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण है।
आप एक आध्यात्मिक वंश के सदस्य हैं—मसीह में हम परमेश्वर के परिवार में अपनाए गए हैं (रोमियों 8:15-17)।

1 पतरस 2:9 कहता है:
“पर तुम लोग चुनी हुई जाति, राजपुरोहित, पवित्र राष्ट्र, परमेश्वर की खास मिल्कियत हो…”

यह नया वंश है—एक आध्यात्मिक परिवार, जो अनुग्रह से, मसीह के द्वारा चुना गया है।

शलोम।
आप अपने सांसारिक और आध्यात्मिक वंश में अपनी जगह को स्वीकार करें।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp